AZAD MPPSC ACADEMY

Unit Of Azad Group

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Azad Group
empowering nation...

परिच्छेद

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 5

पिछले दो दशकों में, विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं जबकि समावेशी सम्पदा मात्र 6 प्रतिशत बढ़ी हैं। हाल के दशकों में, GDP संचालित आर्थिक निष्पादन ने मानव पूँजी जैसी समावेशी सम्पदा को और जंगल, जमीन एवं जल जैसी प्राकृतिक सम्पदा को केवल क्षति ही पहुँचाई हैं। पिछले दो दशकों में, विश्व की मानव पूँजी, जो कुल समावेशी सम्पदा का 57 प्रतिशत हैं, केवल 8 प्रतिशत की बढ़ी, जबकि प्राकृतिक सम्पदा में, जो कुल समावेशी सम्पदा का 23 प्रतिशत है, विश्वस्तर पर 30 प्रतिशत की गिरावट आई।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

1. निम्नलिखित में से कौन–सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक निर्णायक निष्कर्ष (इन्फरेंस) हैं?

(a) प्राकृतिक सम्पदा के विकास पर और अधिक बल दिया जाना चाहिए

(b) केवल GDP – संचालित संवृद्धि न तो वांछनीय है, न ही धारणीय है

(c) विश्व के देशों का आर्थिक निष्पादन सन्तोषजनक नहीं है

(d) वर्तमान परिस्थितियों में विश्व को और अधिक मानव पूँजी की आवश्यकता है

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 6

2020 तक, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5.6 करोड़ (56 मिलियन) युवाओं की कमी होने की आशंका है तब भारत अपने 4.7 करोड़ (47 मिलियन) अधिशेष युवाओं से इस कमी को पूरा कर सकता है। भारत में दो अंकों में विकास निर्मुक्त करने के एक मार्ग के रूप में श्रम सुधारों को इसी सन्दर्भ में प्रायः उद्धृत किया जाता है। 2014 में, भारत का श्रमबल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत होने का आकलन था, लेकिन इस बल का 93 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र में था। विगत पूरे दशक में रोजगार की चक्रवृद्धि वार्षिक संवृद्धि दर [कम्पाउण्ड एनुअल ग्रोथ रेट (CAGR) 0.5 प्रतिशत तक मन्द हो चुकी थी, जहाँ पिछले वर्ष के दौरान लगभग 1.4 करोड़ (14 मिलियन) नौकरियाँ सृजित हुई जबकि श्रमबल में लगभग 1.5 करोड़ (15 मलियन)] की वृद्धि हुई।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

1. निम्नलिखित में से कौन–सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक तार्किक निष्कर्ष (इन्फरेंस) हैं?

(a) भारत को अपनी जनसंख्या वृद्धि पर अवश्य ही नियन्त्रण करना चाहिए, ताकि इसकी बेरोजगारी दर कम हो सके

(b) भारत के विशाल श्रमबल का उत्पादन रूप से इष्टतम उपयोग करने के लिए भारत में श्रम सुधारों की आवश्यकता है

(c) भारत अतिशीघ्र दो अंको का विकास प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

(d) भारत अन्य देशों को कौशल–प्राप्त युवाओं की पूर्ति करने में सक्षम है

Azad MPPSC Academy Unit Of Azad Group

परिच्छेद 7

सबसे पहला पाठ, जो हमें तब पढ़ाया जाना चाहिए जब हम उसे समझने के लिए पर्याप्त बड़े हो चुके हों, यह है कि कार्य करने की बाध्यता से पूरी स्वतंत्रता अप्राकृतिक है, और इसे गैर–कानूनी होना चाहिए, क्योंकि हम कार्य –भार के अपने हिस्से से केवल तभी बच सकते हैं, जब हम इसे किसी दूसरे के कन्धों पर डाल दें। प्रकृति ने यह विधान किया है कि मानव प्रजाति, यदि कार्य करना बन्द कर दे, तो भुखमरी से नष्ट हो जाएगी। हम इस निरंकुशता से बच नहीं सकते हैं। हमें इस प्रश्न को सुलझाना पड़ेगा कि हम अपने – आपको कितना अवकाश देने में समर्थ हो सकते हैं।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

1. उपर्युक्त परिच्छेद का यह मुख्य विचार है कि

(a) मनुष्यों के लिए यह आवश्यक है कि वे काम करें

(b) कार्य एवं अवकाश के मध्य सन्तुलन होना चाहिए

(c) कार्य करना एक निरंकुशता है जिसका हमें सामना करना ही पड़ता है

(d) मनुष्य के लिए कार्य की प्रकृति को समझना आवश्यक है

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 8

आदतों का पालन करने में कोई हानि नहीं है,जब तक कि वे आदतें हानिकारक न हों। वास्तव में हममें से अधिकांश लोग, आदतों के पुलिंदे से शायद कुछ अधिक ही व्यवस्थिति होते है। हम अपनी आदतों से मुक्त हो जाएँ तो जो बचेगा उस पर शायद ही कोई ध्यान देना चाहे। हम इने बिना नहीं चल सकते । वे जीवन की प्रक्रिया को सरल बनाती है। इनसे हम बहुत – सी चीजें अपने आप करने में समर्थ होते हैं, जिन्हें यदि हम हर बार नया और मौलिक विचार देकर करना चाहें, तो अस्तित्व एक उलझन बन जाए।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

1. लेखक का सुझाव है कि आदतें

(a) हमारे जीवन को कठिन बनाती हैं

(b) हमारे जीवन में सटीकता लाती हैं

(c) हमारे लिए जीना आसान करती हैं

(d) हमारे जीवन को मशीन बनाती हैं

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group